सच्चाई की जीत

मित्रों कितनी भी मुसीबत आ जाए, लेकिन सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता है। अगर आप सच्चाई पर हैं तो आपका जीतना निश्चित है। यह जरूर है कि आपको कुछ मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है, परन्तु विजय आपकी ही होगी।

एक देश में एक परी रहती थी . उसके बाल गुलाबी थे . इसलिए लोग **गुलाबी परी** कहते थे . वह हर रात अपने महल की बालकनी में आती और उसके आते ही एक **जादुई चिड़िया** उसके कंधे पर आकर बैठ जाती .

उसके बाद परी सुन्दर लोरी गाती और राज्य के सभी लोग सो जाते और सुबह तक सुन्दर - सुन्दर सपने देखते . यह गुलाबीपरी का रोज का काम था .

एक दिन की बात है . एक चुड़ैल को इस बात की जानकारी हुई तो उसे इसका बहुत बुरा लगा . उसने जब राज्य में आकर देखा तो पुरे राज्य में खुशहाली थी .

चुड़ैल क्रोध से भर गयी और गुस्से में एक जादुई शक्ति उसने गुलाबीपरी के बालों पर छोड़ दिया . जादुई शक्ति से गुलाबीपरी के बाल काले हो गए .

गुलाबीपरी हैरान रह गयी . उसे तो कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था . रात को वह रोज की तरह बालकनी पर पहुंची और छोटी चिड़िया भी वहाँ आ गयी और परी ने रोज की तरह गीत गाये, लेकिन यह क्या इस बार सबको सुन्दर स्वप्न की जगह भयावह सपने दिखाई दिए .

पूरे राज्य में हाहाकार मच गया . गुलाबीपरी भी परेशान हो गयी . उसने जादुई चिड़िया को पुकारा और उपाय पूछा . जादुई चिड़िया ने कहा अपने बालों को गुलाबजल से धो लो और यह कहकर चिड़िया उड़ गयी .

परी ने ढेर सारा गुलाब मंगवाया और उसे पानी में डालकर जैसे अपने बाल धोये उसके बाल फिर से गुलाबी हो गए . परी फिर शाम को लोरी गाई और सभी लोगों को सुन्दर सपने आये .

जब यह बात चुड़ैल को पता चली तो वह और भी क्रोधित हो गयी . उसने फिर से गुलाबीपरी के बाल काले कर दिए और पुरे राज्य के गुलाबों को भी सुखा दिया .

अब तो परी को कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि वह क्या करे . उसने फिर से चिड़िया को बुलाया . चिड़िया ने फिर से वही जवाब दिया, " बालों को गुलाबजल से धो लो . "

लेकिन गुलाब तो पूरे राज्य में नहीं हैं यह सोचकर परी रोने लगी . रोते समय उसके आंसू की एक बूँद जमीन पर गिरी . उसी समय एक राजकुमार वहाँ से गुजर रहा था .

उसे राज्य के सारे हालात के बारे में पता चल गया था . उसने अपनी जेब से एक गुलाबी बाल निकाला और उसे आंसू पर रख दिया . आंसू पर रखते ही वह बाल गुलाब में परिवर्तित हो गया .

उसने वह गुलाब उठाया और राजकुमारी के पास ले गया . तब तक वहाँ राजा और मंत्री भी पहुँच चुके थे . राजकुमारी गुलाब देखकर बड़ी प्रसन्न हुई .

उसने पूछा यह गुलाब आपको कहा मिला . तब राजकुमार ने पूरी बात बतायी तो सभी आश्चर्यचकित रह गए . तभी राजा ने कहा वह गुलाबी तुम्हारे पास कैसे आये और वह बाल किसके थे .

तब राजकुमार ने कहा, " यह बाल गुलाबीपरी के ही थे . बचपन में खेलते समय हमने एक दुसरे के बाल तोड़े थे और उसे सहेज कर रख दिया था . "

" हाँ पिताजी, राजकुमार ठीक कह रहे हैं . हम तब विद्यालय में पढ़ते थे और उसी समय इनसे हमारी मुलाक़ात हुई थी . यह पडोसी देश के राजकुमार हैं " और उसके बाद गुलाबीपरी ने भी राजकुमार के बाल दिखा दिए .

सभी बहुत खुश हुए . उसके बाद गुलाबीपरी ने अपने बालों को गुलाबजल में धोया और उसके बाल फिर से गुलाबी हो गए और बालों के गुलाबी होते ही पूरे राज्य में गुलाब भी खिल गए .

राजा ने अपने जादूगर सैनिकों को बुलाया और चुड़ैल को गिरफ्तार करने का आदेश दे दिया . इस बार जब चुड़ैल वापस आई तो सैनिकों ने उसे गिरफ्तार कर लिया और कैदखाने में डाल दिया .

उसके बाद परी और राजकुमार का विवाह हो गया और सभी सुखी से रहने लगे .इस तरह फिर से एक बार अच्छाई की जीत हुई और बुराई की हार हुई। इसिलिये कहा गया है सत्य कभी पराजित नहीं होता।